जोधपुर : कंपनी में इंवेस्टमेंट के नाम पर कई लोगों से छह करोड़ की धोखाधड़ी

कंपनी में इंवेस्टमेंट के नाम पर बड़ा मुनाफा और एजेंट के तौर पर काम करने का प्रलोभन दिया था

- **आरोपियों ने झांसा दिया था कि कम्पनी भारत में करीब 16 राज्यों में हर तरह का व्यवसाय करती है तथा उसका काफी अच्छा मुनाफा देती है**
- **पीड़ित ने अदालत की शरण लेकर महामंदिर थाने में 15 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दी, पुलिस ने जांच शुरू की**

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 18 ई में रहने वाले व्यक्ति से कुछ लोगों ने एक कंपनी में इंवेस्टमेंट के नाम पर बड़ा मुनाफा और एजेंट के तौर पर काम करने का प्रलोभन देकर पांच-छह करोड़ का फ्रॉड कर लिया। पीड़ित ने अदालत की शरण लेकर अब महामंदिर थाने में 15 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दी है। पुलिस ने घटना में अब अग्रिम जांच आरंभ की है। मामले में रमेश पुरी पुत्र भीमपुरी ने रिपोर्ट दी।

रिपोर्ट में समृद्ध जीवन मल्टी स्टेट मल्टी प्रपोज कॉपरेटिव सोसाईटी लिमिटेड एवं समृद्ध जीवन फुड्स इण्डिया लिमिटेड के डायरेक्टर महेश किशन मोतेवार और अन्य पर आरोप लगाया गया है। वैशाली मोतेवार, राजेश पंडूरंग, विनोद डांगी, राजस्थान यूनिट हैड, निवासी गांव बीबीसर जिला झुन्झुनूं, राजेश मात्रे निवासी पुणे, प्रभाद पारसबार घनश्याम, जसभाई, सोमनाथ, अरूण भालेराव पारसवार, लीला महेश मोतेवार, अभिषेक मोतेवार एवं राजेश को भी नामजद किया गया है।

पीड़ित ने बताया कि विनोद डांगी नाम के व्यक्ति ने मेरे व मेरे अन्य साथियों से सम्पर्क कर बताया कि वह समृद्ध जीवन फुड्स इण्डिया लिमिटेड व समृद्ध जीवन मल्टी प्रपोज कॉ-ऑपरेटिव सोसाईटी लिमिटेड़ जिसका ऑफिस मैन पावटा सनसिटी अस्पताल के पास रखा तथा इसका मुख्यालय पुणे में है। कम्पनी भारत में करीब 16 राज्यों में हर तरह का व्यवसाय करती है तथा उसका काफी अच्छा मुनाफा देती है। आप भी हमसे जुड़ों और अपना निवेश करों व एजेंट के रूप में अन्य लोगों का निवेश कराओं, जिस पर मैं व मेरे अलावा कुशालाराम सोलंकी, हनुमानाराम, सुनन्दा बोराणा, कैलाश राव, प्रेमाराम, रूपाराम, बाबूलाल जांगिड़, अब्दुल मुजीब, अनिता बोराणा, जेठमल, पूजा बोराणा व रमेश पूरी हम सब उनसे मिलने उनके पावटा ऑफिस गए। तब विनोद डांगी ने बताया कि कम्पनी का एक पेपर चलता है, टीवी चेनल व होटल, इंजीनियरिंग कॉलेज, अस्पताल, बकरी व भैंस पालन, कृषि कार्य आदि का कार्य करती है। जिस पर विनोद डांगी पर विश्वास करके उनके डायरेक्टर व सह डायरेक्टर व कम्पनी के अन्य अधिकारियों से बात की। इसके बाद अधिकारियों ने हमें पुणे बुलाया तथा हम सब के साथ उन्होंने मिटिंग की, जिसमें कम्पनी के डायरेक्टर महेश किशन गोतेवार, वैशाली महेश किशन गोलेवार, राजेश पाण्डुरंग भण्डारे, घनश्याम, राजेश, जस भाई, राजेश मात्रे, सोमनाथ, अरूण भालेराव, प्रसाद पाररावार, लीला महेश किशन मोतेवार, अभिषक मोतेवार पुत्र महेश किशन मोत्तेराव आदि ने हम लोगों से काफी बातचीत की व अपने व्यवसाय के बारे में बताया व हमें अपनी कम्पनी में इन्वेस्ट करने व एजेंट के रूप में कार्य करने को कहा, इस पर हमने उनकी झूठी बातों पर विश्वास करते हुए एजेंट के रूप में कार्य करना आरम्भ किया।

पीड़ित ने बताया कि जोधपुर के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से व स्वयं के रूपए एकत्रित करके किश्तों व एक मुश्त करीब 5 से 6 करोड़ रूपए विनोद डांगी व कम्पनी के कार्यालय में जमा करवाए तथा उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि हमारी योजना की अवधि पूर्ण होने पर कम्पनी द्वारा आप लोगों के जमा राशि मुनाफा सहित आपके बैंक खातों में जमा हो जाएगी तथा एक बार महेश किशन मोतेवार जोधपुर आया तथा हमसे मुलाकात की। बाद में हमें अजमेर के पास कैकड़ी में 700-800 बीघा जमीन पर बकरी पालन, भैंस पालन व अन्य कृषि कार्यों के बारे में बताया तथा हमें वहां ले जाकर विजिट भी करवाई और उन्होंने कहा कि जोधपुर के आसपास गांवों में बड़ी जमीन देख लो, जिसमें ये ही कार्य करेंगे, जिसकी देखरेख आप लोग करोगे। इनकी लालच भरी बातों व झूठे प्रलोभन में आ गए और कराड़ों रूपये इनके पास जमा करवा दिए। जब समयावधि पूर्ण हो गयी तो किसी के खाते में पैसे नहीं आया, तब हमने विनोद डांगी व अन्य कम्पनी के अधिकारियों से इस संबंध में बात की तो वे लोग टालम टोलकर व झांसे देते रहे। बाद में फोन उठाना भी बंद कर दिया। इस तरह उन लोगों ने पांच छह करोड़ का फ्राड किया।

लालसोट के गोल गांव से मादा लैपर्ड को पकड़ा

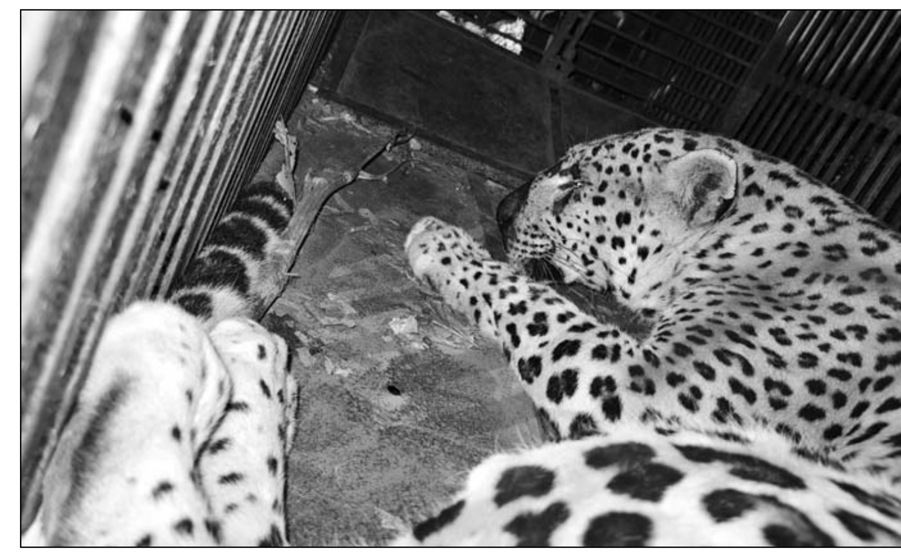

वन विभाग की टीम ने सतर्कता से लैपर्ड को पिंजरे में काबू कर लिया।

- **कई दिनों तक आबादी क्षेत्र के बीच लैपर्ड ने दहशत फैला रखी थी**

लालसोट, (निसं)। आंतरी क्षेत्र में गोल गांव आबादी क्षेत्र में बीच लैपर्ड की दस्तक ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। कई दिनों तक ग्रामीणों की नींद उड़ी रही, लेकिन वन विभाग की सतर्कता से आखिरकार इस लैपर्ड को काबू कर लिया गया।

रेंजर रामकिशन मीणा के अनुसार 27 मार्च को ग्रामीणों ने लैपर्ड की मूवमेंट की सूचना दी थी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाकर लैपर्ड की मौजूदगी की पुष्टि की। इसके बाद गांव के पास स्थित पीएचसी के नजदीक पहाड़ी की तलहटी में पिंजरा लगाया गया और लगातार निगरानी शुरू कर दी गई। कई दिनों की घेराबंदी के बाद गुरुवार रात ऑपरेशन सफल हुआ और लैपर्ड पिंजरे में कैद हो गया। जैसे ही खबर फैली, मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्थिति को बिगड़ता देख वन विभाग की टीम ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए भीड़ को हटाया और पूरे क्षेत्र को सुरक्षित किया। पिंजरे में कैद लेपर्ड को सुरक्षित वन विभाग की गाड़ी में रखकर लालसोट वन कार्यालय लाया गया। जांच में यह करीब डेढ़ साल की स्वस्थ मादा लैपर्ड पाई गई। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर वन विभाग ने बिना देर किए इस लैपर्ड को सरिस्का के घने जंगलों में छोड़ दिया। समय रहते हुए इस ऑपरेशन से बड़ा हादसा टल गया और गोल गांव सहित आसपास के इलाकों के लोगों ने राहत की सांस ली।

रामगंजमंडी में अंधड़ से बिजली आपूर्ति ठप, जलापूर्ति बाधित

- **पावर लाइन के सुधार एवं मेंटेनेंस का कार्य जारी**

रामगंजमंडी, (निसं)। रामगंजमंडी पेयजल परियोजना के अंतर्गत राणाप्रताप सागर बांध स्थित आम्बाकुई इंटेक वेल पर बीती रात आए तेज अंधड़ एवं बारिश के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। जानकारी के अनुसार 33केवी लाइन का तार टूटने से शुक्रवार प्रात: लगभग 6.40 बजे से पावर सप्लाई बंद है, जो देर शाम तक चालू नहीं हो सकी है।

विद्युत विभाग द्वारा उक्त पावर लाइन के सुधार एवं मेंटेनेंस का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण वीटी पम्प भी बंद हैं, जिससे जल उत्पादन पूरी तरह ठप हो गया है। इस स्थिति के चलते चार अप्रैल शनिवार को रामगंजमंडी शहर सहित सातलखेड़ी, खैराबाद, चेचट, मोड़क स्टेशन, मोड़क गांव एवं परियोजना से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों में प्रात:कालीन जलापूर्ति बाधित रहेगी।

श्रीगंगानगर में लड़की की शादी को बाल विवाह मानकर रुकवाया

लड़की की उम्र 18 वर्ष से 5 माह कम थी, बारात भी बीकानेर से दरवाजे तक आ चुकी थी

- **बाल कल्याण समिति और पदमपुर पुलिस ने यह शादी लड़की के 18 वर्ष की हो जाने के बाद करने के लिए परिवार वालों को पाबंद किया**

श्रीगंगानगर, (निसं)। पदमपुर कस्बे के वार्ड नंबर 16 में 2 अप्रैल को एक लड़की की शादी को बाल विवाह मानकर रुकवा दिया गया है। लड़की की उम्र 18 वर्ष से 5 माह कम थी। उसकी बारात भी बीकानेर से दरवाजे तक आ चुकी थी। बाल कल्याण समिति और पदमपुर पुलिस ने यह शादी लड़की के 18 वर्ष की हो जाने के बाद करने के लिए परिवार वालों को पाबंद किया है। हालांकि दूल्हे ने तर्क दिया कि वे तो सगाई करने आए हैं। शादी तो नवंबर माह में करेंगे, लेकिन अधिकारियों ने युवक के दूल्हे के वस्त्र पहनकर और बारात के वाहनों पर लगे स्टीकर, शादी के कार्ड आदि दिखाए तो दूल्हा भी सकपका गया।

चाइल्ड हेल्पलाइन के जिला समन्वयक त्रिलोक वर्मा ने बताया कि इस संबंध में चाइल्ड हेल्प लाइन के टोल फ्री नंबर 1098 पर कॉल आई थी। मिली सूचना की प्रारंभिक तस्दीक करवाने के बाद 2 अप्रैल को शादी होने का पता चला। गुरुवार को समिति अध्यक्ष जोगेंद्र कौशिक, सदस्य आनंद मारवाल, वंदना गौड़, राजस्व पटवारी ओकेश खुड़िया, पदमपुर एसएचओ सुमन जयपाल, ड्यूटी ऑफिसर बाल कल्याण अधिकारी एएसआई हरजिंद्र सिंह मय जाब्ता विवाह स्थल पर पहुंचे। टीम के पहुंचने से पहले बीकानेर से बारात दूल्हन के घर तक पहुंच चुकी थी।

बारात के स्वागत के बाद मेहमान भोजन ग्रहण कर रहे थे। इधर फेरों की तैयारी थी। टीम ने दुल्हन के जन्म प्रमाण पत्र संबंधी दस्तावेज मांगे। माता-पिता की ओर से जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड प्रस्तुत किए। इसमें दुल्हन की जन्म तिथि 25 अगस्त 2008 थी। इस पर लड़की की उम्र 18 वर्ष से 5 माह और 23 दिन कम थी। प्रशासन ने परिवार को यह शादी लड़की के 18 वर्ष की होने तक नहीं करने को पाबंद किया। परिजन लड़की की शादी जगह या समय बदल कर नहीं कर दें, इसलिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व एक पुलिसकर्मी की ड्यूटी लगाई है। एसएचओ सुमन जयपाल ने दूल्हे सहित उसके परिवार के सदस्यों को थाने ले जाकर कानून के बारे में जानकारी दी। इधर शादी करवाने आए पंडित पुलिस और बाल कल्याण समिति की टीम को देखकर मौके से फरार हो गया। वहीं हलवाई और टेंट के प्रबंधक को पुलिस ने कानून के बारे में बताया और आगे से बुकिंग से पहले लड़का-लड़की के बालिग होने के प्रमाण देखकर ही शादी के कार्यक्रम की बुकिंग के लिए पाबंद किया।

कार से 100 ग्राम एमडी बरामद, दो जनों को पकड़ा

बीकानेर, (निसं)। एंटी नॉरकोटिक्स टॉस्क फोर्स ने गजनेर हाइवे पर एमजीएसयू के पास कार में सवार दो लोगों को 100 ग्राम एमडी के साथ हिरासत में लिया। आरोपियों में एक नाबालिग है।

एएनटीएफ बीकानेर चौकी टीम को सूचना मिली थी कि गजनेर हाइवे पर महाराजा गंगासिंह यूनिवर्सिटी के पास एक कार खड़ी है, जिसमें दो-तीन व्यक्ति हैं, जो यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को नशे की सप्लाई करते हैं। सूचना मिलने के बाद एएनटीएफ टीम ने एमपी नगर थाना पुलिस के साथ मौके पर दबिश देकर एक कार को घेराबंदी में लेकर उसमें सवार बच्छासर निवासी रामेश्वर भादू और एक नाबालिग को दबोचकर उनके कब्जे से 100 ग्राम एमडी बरामद की। कार को कब्जे में लिया। एमपी नगर थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। वहीं एएनटीएफ की फलौदी चौकी टीम ने चांखू थाना इलाके में कार्यवाही कर भारतमाला हाइवे पर बुगंडी की तरफ रेस्ट एरिया के एक ढाबे में दबिश देकर मौके पर 539 ग्राम अफीम और करीब सवा तीन किलो डोडा-पोस्त बरामद किया है। बीकानेर बांद्रा बास निवासी पूनम सिंह राजपुरोहित को हिरासत में लिया है।

छबड़ा के मजदूर की बाड़मेर में संदिग्ध मौत

छबड़ा, (निसं)। छबड़ा के सेमला निवासी एक मजदूर की बाड़मेर जिले के ग्राम हड़वा तहसील शिव में संदिग्ध परिस्थितियों में आकस्मिक मौत हो जाने का मामला सामने आया है। घटना के कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है, जिससे परिजनों एवं ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रोडू लाल (45) पुत्र मथुरा लाल की आजीविका की तलाश में कुछ समय पूर्व बाड़मेर गए थे, जहां वे एक कंपनी में ठेकेदार के अधीन मजदूरी कार्य कर रहे थे। मंगलवार सुबह लगभग आठ बजे उनके छोटे भाई विनोद लोधा को फोन के माध्यम से उनके निधन की सूचना मिली, किंतु मृत्यु के कारणों के संबंध में कोई ठोस जानकारी नहीं दी गई। अचानक हुई इस दुखद घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि रोडू लाल परिवार के एकमात्र मुख्य कमाने वाले सदस्य था, ऐसे में उनके असामयिक निधन से परिवार के समक्ष गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है।

राज. राजस्व मंडल के सदस्य किशोर कुमार का निधन

किशोर कुमार (फाईल फोटो)।

अजमेर/जयपुर। राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं राजस्थान राजस्व मंडल के सदस्य किशोर कुमार का जयपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से प्रशासनिक महकमे में शोक की लहर दौड़ गई है।

बताया जा रहा है कि किशोर कुमार की तबीयत खैरथल जिला कलैक्टर के पद पर कार्यरत रहने के दौरान अचानक खराब हो गई थी। स्वास्थ्य कारणों के चलते उनका तबादला बाद में अजमेर स्थित राजस्व मंडल में सदस्य के पद पर कर दिया गया था, जहां वे हाल ही में अपनी सेवाएं दे रहे थे। किशोर कुमार मूल रूप से जयपुर के दुर्गापुरा क्षेत्र के निवासी थे, लेकिन उनका अजमेर से गहरा जुड़ाव रहा। उन्होंने अपने प्रशासनिक करियर में अजमेर में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वे डीएसओ, एडीएम सिटी, अजमेर विकास प्राधिकरण में सचिव सहित कई अहम जिम्मेदारियां निभा चुके थे। उनके कार्यकाल को उनकी कार्यकुशलता और ईमानदारी के लिए याद किया जाता है। उनके निधन से न केवल प्रशासनिक सेवा को अपूरणीय क्षित हुई है, बल्कि उन्हें जानने वाले सभी लोगों में गहरा दुख है। किशोर कुमार अपने पीछे एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं, जो वर्तमान में अध्यनरत है।

डूंगरपुर में विवाहिता ने फंदा लगाकर आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के बलवाड़ा गांव में शुक्रवार को एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतका की पहचान सीमा के रूप में हुई है। सीमा का करीब तीन साल पूर्व बलवाड़ा निवासी नरेश अहारी के साथ प्रेम विवाह हुआ था। उनकी डेढ़ साल की एक बेटी रितिका भी है।

सीमा के पिता कांतिलाल कटारा, निवासी रेलडा ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि सीमा 29 मार्च को अपने पीहर रेलडा आई थी। दो दिन रुकने के बाद 31 मार्च को उसके माता-पिता उसे ससुराल बलवाड़ा छोड़कर आए थे। सीमा ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस और पीहर पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को मौके से उठवाकर डूंगरपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक ने सुसाईड किया

डूंगरपुर, (निसं)। चौरासी थाना क्षेत्र के वासुवा गांव में एक युवक ने मवेशी घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक की पहचान सुखदेव मनात के रूप में हुई है, जो दो दिन पहले ही अहमदाबाद से अपने घर आया था। आत्महत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। वासुआ निवासी प्रताप मनात की दर्ज रिपोर्ट के अनुसार उनका बेटा सुखदेव मनात अहमदाबाद में मजदूरी करता था। सुखदेव सुबह घर पर ही था और महुएं बीनने के लिए घर से निकला था। इसी दौरान जब उसकी मां रसोई में खाना बना रही थी, सुखदेव ने मवेशी घर में फंदा लगाकर अपनी जान दे दी।

एमपी पुलिस ने छबड़ा निवासी तस्कर को डोडा-चूरा सहित पकड़ा

- **आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया**

छबड़ा, (निसं)। एमपी की धरनावदा पुलिस ने वाहन चैकिंग के दौरान छबड़ा निवासी अंतर्राज्यीय नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10.96 किलोग्राम डोडा-चूरा सहित तस्करी में इस्तेमाल बाइक जब्त की है।

धरनावदा पुलिस ने बताया कि झागर चौकी पुलिस द्वारा धरनावदा-छबड़ा रोड स्थित पार्वती नदी पुलिया के पास वाहन चेकिंग की जा रही थी की। चैकिंग के दौरान छबड़ा की ओर से एक काले रंग की बजाज पल्सर मोटरसाइकिल आती हुई दिखाई दी, जिसके पीछे एक बोरा बंधा हुआ था। पुलिस द्वारा वाहन को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक द्वारा वाहन न रोकते हुए भागने का प्रयास किया गया। पुलिस बल ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में ड्राइवर ने अपना नाम देवकिशन मीना (31) पुत्र बाबूलाल निवासी युसुफपुरा गांव थाना पाली का होना बताया। आरोपी के कब्जे में मोटरसाइकिल पर बंधे बोरे की तलाशी लेने पर उसमें से 10.960 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद हुआ। पुलिस द्वारा आरोपी से बरामद डोडा-चूरा और घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पत्थर ले जाते वाहन जब्त

कोटा, (निसं)। नान्ता पुलिस टीम व खनिज विभाग टीम ने संयुक्त रुप से इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध रुप से पत्थर परिवहन करते दो डंपर व 15 ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि नान्ता थाने के थानाधिकारी महेश कुमार गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस टीम व खनिज विभाग के खनी कार्यदेशक प्रथम गोविन्द प्रसाद शर्मा की टीम ने संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए नान्ता क्षेत्र में मैसेनरी स्टोन (पत्थर) से भरे हुए बिना रवन्ना पाये जाने पर दो डंपर व 15 ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है।

छबड़ा में भूमाफिया ने वर्षों पुराने तालाब पर कब्जा किया

छबड़ा के धींगराड़ी में वर्षों पुराने तालाब पर भूमाफियाओं ने कब्जा कर लिया।

- **पूर्व विधायक ने तालाब को भूमाफिया के कब्जे से मुक्त करने के लिए कलैक्टर को ज्ञापन सौंपा**

छबड़ा, (निसं)। पूर्व विधायक करणसिंह राठौड़ ने धींगराड़ी में वर्षों पुराने तालाब को भूमाफियाओं के कब्जे से मुक्त करने के लिए जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपा।

राठौड़ ने बताया कि खसरा नंबर 234/1 में स्थित तालाब का निर्माण मनरेगा योजना एवं भैरोसिंह शेखावत के कार्यकाल में काम के बदले अनाज योजना के लाखों रुपए खर्च कर के निर्माण किया गया था। यह तालाब पिछले लगभग 30 वर्षों से गांव के सार्वजनिक उपयोग में रहा है। उन्होंने कहा कि आज तक इस तालाब पर किसी भी व्यक्ति द्वारा न तो काश्त की गई है और न ही किसी प्रकार का कब्जा किया गया है, यह पूरी तरह से सार्वजनिक उपयोग में रहा है। इसके बावजूद कुछ लोगों द्वारा तालाब तहसील में मिलीभगत कर कब्जा कर लिया गया है। जिस खसरा नंबर 234/1 पर आज तक किसी ने काश्त नहीं की, उसको भूमाफियाओं ने किसी बाहरी व्यक्ति की जमीन का एलॉटमेन करवा कर सड़क के किनारे स्थित तालाब पर खाते में दर्ज कर लिया, जो बेशकीमती है। राठौड़ ने कहा कि तालाब को पूरा गांव वर्षों से पशु पेयजल के लिए काम में लेता आया है। भूमाफियाओं को प्रभावशाली लोगों का संरक्षण प्राप्त होने पर सार्वजनिक संपत्ति को भी नहीं छोड़ रहे हैं। राठौड़ ने एसडीएम और जिला कलैक्टर से उक्त सम्पूर्ण प्रकरण पर शीघ्र कार्यवाही करने की मांग की है और अतिक्रमण से मुक्त करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की तो ग्रामीणों के साथ इसको मुक्त करने का आंदोलन किया जाएगा।

डूंगरपुर में एक दर्जन से अधिक सायबर ठग गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सिम कार्ड व मोबाइल जब्त किए।

- **आरोपियों की निशानदेही पर वाहन, मोबाइल, सिम कार्ड बरामद**

डूंगरपुर, (निसं)। जिला पुलिस द्वारा सायबर ठगों के खिलाफ पुलिस थाना टीमों की संयुक्त कार्रवाई में एक बाल अपचारी को डिटेन कर, 13 आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में लिया, जिनकी निशानदेही पर कई वाहन, मोबाइल, सिम कार्ड बरामद किए हैं। आरोपी आमजन को ठगने के लिए खंडहर, जंगलों, खेतों के मचान, डेम के पास टापू का उपयोग करते थे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार जिलेभर में सायबर ठगों की कार्यवाही से कई नागरिक शिकार हो रहे थे। आरोपियों की इस बढ़ती गतिविधियों को लेकर दोवड़ा, आसपुर, साबला तथा जिला विशेष टीम के कोई तीन दर्जन से अधिक पुलिसकर्मियों को उनकी धरपकड़ के लिए लगाया गया, जो एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर आमजन से करोड़ों रुपए ठगी कर रहे थे। इसी सूचना के आधार पर जिला सायबर सेल के कांनि. हेमेंद्र सिंह को सूचना मिली कि आसपुर क्षेत्र के सोम कमला आंबा डेम के किनारे पर बने टापू कुछ लड़के बैठकर सायबर ठगी कर रहे हैं। मिली सूचना के आधार पर उनकी धरपकड़ के लिए पुलिस थाना आसपुर, दोवडा, साबला तथा सायबर सेल की विशेष टीमों द्वारा फतेहपुरा अमृतिया होते हुए सोम कमला आंबा गांव के कमलेश्वर महादेव मंदिर के पीछे से जा रहे रास्ते पर डेम के टापू के पास करीब 10-12 लड़के पेड़ों के पीछे तथा उनके द्वारा मोबाइल का लगातार उपयोग किया जा रहा था जिसपर सभी टीमों ने घेरा डालकर इनकी बातों का सत्यापन किया। पुलिस ने जब इनकी पूछताछ करने पर संतोषपद जवाब नहीं दे पाए, जिस पर पुलिस ने उनके मोबाइलों की डिटेल चेक की। साथ ही उनके बैंक खातों की भी जांच की गई, जिस पर यह पुष्टि हो गई कि फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर ठगी कर रहे हैं। यही नहीं वे ग्राहकों को अश्लील फोटो दिखाकर ठगी कर रहे थे। पुलिस ने इस मामले में नरेश पुत्र मेघजी पाटीदार, गणेश पुत्र भूरालाल पाटीदार, मेहुल पुत्र देवीलाल सुथार, गणेश पुत्र लालजी पाटीदार, प्रकाश पुत्र मनजी पाटीदार, विजय पुत्र पेमजी पाटीदार, हितेश पुत्र देवेग पाटीदार, तेजपाल पुत्र लालजी पटेल, दिनेश पुत्र अमरजी पाटीदार, नरेश पुत्र अमरजी पाटीदार, भावेश पुत्र हीरालाल पाटीदार, मनीष पुत्र मोगजी पाटीदार, एक विधि से संघर्षरत बालक को डिटेन कर उनके कब्जे से थार जीप, मोबाइल, फर्जी सिम कार्ड तथा रुपए बरामद किए।